Report- "ISRO Inaugural Ceremony"

The inaugural ceremony of ISRO Space science and Technology Awareness Training (START) online training program organized by ISRO Head Quarters, Bangalore, ISRO Dehradun, IIRS Dehradun was organized by S.O.S. in Electronics & Photonics. The program started with lamp lightening of Goddess Saraswati and welcome address by Dr. Kavita Thakur Head of Department. She welcomed Prof. S. K. Pandey, Ex Vice Chancellor and Head, S.O.S in Physics & Astrophysics, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur who accepted to be the chief guest of today's Inaugural function. She also welcomed Guest of Honor, Dr Sarita Agrawal, Dean Research, All India Council of Medical Sciences, Raipur for being part of this academic event.

Dr. Kavita expressed her gratitude to Vice chancellor, Dr. Sachidanand Shukla, for his support because of which Pt. Ravishankar Shukla became Nodal center for the ISRO, START Program and Dr. S.K. Patel, Registrar for logistics and deliverables for timely execution of the program despite of ongoing NAAC visit.

Dr. Kavita Thakur shared details about the ISRO START Program, which was firstly introduced by ISRO HQ Bangalore in association with ISRO Dehradun and IIRS Dehradun. Dr Hareesh Karnatak from IIRS Dehradun is the coordinator of this Program. The main theme of this program is Overview of Space Science, through which actual moto is to inculcate the interest of space science and technology in youth and to motivate PG students towards the research in the field of space science and technology. This training program will be comprised of online live lectures, and recorded lectures. Everyday two lectures will be scheduled from 11:30 am to 12:30 pm in the first half and 2:30 to 3:30 pm in the second half. Dr. Kavita informed participants that it is mandatory to attend 60% live lectures and 40% recorded lecture (called as offline) in the nodal Centre. A participant is allowed to appear in the online test conducted by ISRO HO if he or she will attain a total of 70% attendance. Qualified participant will get a certificate by ISRO HQ. Online advanced course Training program will be then conducted by ISRO HQ for only qualified participants in due course of time.

As an academician and institution that believes in going hand-in-hand with the advancements, we will make sure to empower and educate the students, establish research-

oriented environment and contribute to growth in the field of space science as a whole she added.

Further Chief guest Dr. S.K. Pandey, Former Vice Chancellor addressed the participants. In his very insightful speech, he motivated students to participate in activities which are useful for society. He told students to acknowledge the ancestors who have taught us 'Vasudhay kutumbakam' which is also a motto of G-20. He added that the significant innovation technology cannot sustain without innovation in basic sciences how science and technology go hand in hand. He mentioned that Azadi ko amrit mahotsav is focused on significant progress in science and technology science independence. The research in Space Science is beneficial to last section of society. He told the youngster should be excited to learn the history of science and contributions of Dr. Vikram Sarabhai. In the end he asked participants to make use of training program to contribute to the scientific development of the country and congratulated for registering for START.

The inaugural session was continued with address of Guest of Honor, Dr Sarita Agrawal, Dean Research, All India Council of Medical Sciences, Raipur. In her address she explained how space research has contributed in the field of medicine. She gave example of telemedicine and recent advancements in tissue engineering and regenerative medicine. She advised the students to participate in this START programs with an open mind and welcome the new learnings through training.

Technical session 1- 20th July, 2023- 12:00 pm-01:00 pm

It provides an overview of space science as presented by Dr. Tirtha Pratim Das, a renowned space scientist. It begins with a historical perspective, acknowledging the contributions of early astronomers. The key areas of space science covered are astronomy, astrophysics, cosmology, planetary science, and space exploration. Technological advancements that have revolutionized space research are highlighted. It also explores the practical applications of space science in fields like telecommunications and weather forecasting. Current challenges, including funding constraints and space debris, are discussed. It concludes by emphasizing the need for continued research, collaboration, and technological innovation to unravel the mysteries of the universe and address global challenges using space-based solutions.

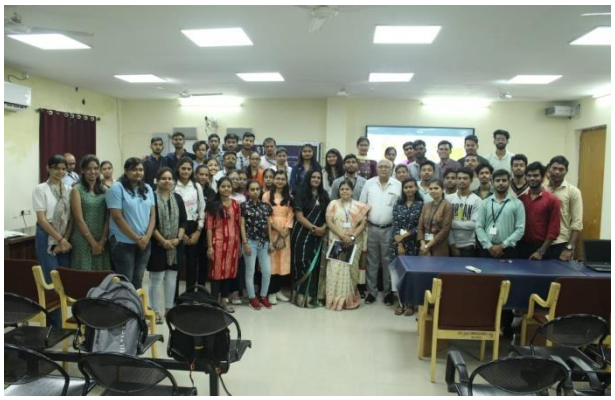

START

Antriksh Jigyasa
From : July 20 - August 20, 2023
Dr. Kavita Thakur
Prof. S. K. Pandey

citymedia.com
सब की खबर - सब के लिए

Home › छत्तीसगढ़ › क्षेत्रीय समाचार › अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों से रूबरू हो रहे हैं कॉलेजियंस

अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों से रूबरू हो रहे हैं कॉलेजियंस

By City Media - July 26, 2023 10 0

Share

- पं. रविशंकर विवि में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण आरंभ

रायपुर पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोनिक्स अध्ययन शाला में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण स्टार्ट ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।इसरो मुख्यालय, बेंगलुरु, इसरो देहरादून, आईआईआरएस देहरादून द्वारा आयोजित अंतरिक्ष विज्ञान और प्रोद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड फोटोनिक्स द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई।

डॉ. कविता ने कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उनके ही सहयोग के चलते पं. रविशंकर शुक्ल विवि इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र बना एवं नैक के चल रहे दौरे के बावजूद कार्यक्रम के समय पर निष्पादन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. एसके पटेल कुलसचिव का भरपूर सहयोग मिला। डॉ. कविता ठाकुर ने प्रोफेसर एसके पांडे पूर्व कुलपति एवं प्रमुख भौतिकी और खगोल भौतिकी अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विवि का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल डीन रिसर्च अभा आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर का भी स्वागत किया। विभागाध्यक्ष एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फोटोनिक्स अध्ययन शाला डॉ. कविता ठाकुर ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसरो स्टार्ट प्रोग्राम के कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर विश्वविद्यालय और विभाग को बधाई दी और 30 दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। पूर्व कुलपति डॉ. एसके पांडे ने विद्यार्थियों को इसरो की स्थापना और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी घटनाओं को जिक्र करते हुए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बढ़ने की भूमिका को सामने रखा। उन्होंने प्रतिभागियों को देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयोग करने को कहा और स्टार्ट के लिए पंजीकरण कराने के लिए बधाई दी। उन्होंने कविता ठाकुर को कार्यक्रम की शानदार शुरुआत के लिए बधाई भी दी। अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल, डीन रिसर्च अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर ने बताया कि अंतरिक्ष अनुसंधान ने चिकित्सा के क्षेत्र में किस तरह योगदान दिया है। उन्होंने टेलीमेडिसिन, टिशु इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा में प्रगति का उदाहरण दिया। उन्होंने छात्रों को खुले दिमाग से इस कार्यक्रम में भाग लेने और प्रशिक्षण के माध्यम से नई सीख का स्वागत करने की सलाह दी। डॉ. कविता ठाकुर ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

दक्षिणापथ

छत्तीसगढ़

अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों से रूबरू हो रहे हैं कॉलेजियंस

dakshinapath Jul 26, 2023 - 11:12

-पं. रविशंकर विवि में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण आरंभ

रायपुर।पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोनिक्स अध्ययन शाला में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण स्टार्ट ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

इसरो मुख्यालय, बेंगलुरु, इसरो देहरादून, आईआईआरएस देहरादून द्वारा आयोजित अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड फोटोनिक्स द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. कविता ने कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उनके ही सहयोग के चलते पं. रविशंकर शुक्ल विवि इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र बना एवं नैक के चल रहे दौरे के बावजूद कार्यक्रम के समय पर निष्पादन के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. एसके पटेल कुलसचिव का भरपूर सहयोग मिला। डॉ. कविता ठाकुर ने प्रोफेसर एसके पांडे पूर्व कुलपति एवं प्रमुख भौतिकी और खगोल भौतिकी अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विवि का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल डीन रिसर्च अभा आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर का भी स्वागत किया। विभागाध्यक्ष एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड फोटोनिक्स अध्ययन शाला डॉ. कविता ठाकुर ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसरो स्टार्ट प्रोग्राम के कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर विश्वविद्यालय और विभाग को बधाई दी और 30 दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। पूर्व कुलपति डॉ. एसके पांडे ने विद्यार्थियों को इसरो की स्थापना और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी घटनाओं को जिक्र करते हुए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बढ़ने की भूमिका को सामने रखा। उन्होंने प्रतिभागियों को देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयोग करने को कहा और स्टार्ट के लिए पंजीकरण कराने के लिए बधाई दी। उन्होंने कविता ठाकुर को कार्यक्रम की शानदार शुरुआत के लिए बधाई भी दी। अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल, डीन रिसर्च अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर ने बताया कि अंतरिक्ष अनुसंधान ने चिकित्सा के क्षेत्र में किस तरह योगदान दिया है। उन्होंने टेलीमेडिसिन, टिशु इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा में प्रगति का उदाहरण दिया। उन्होंने छात्रों को खुले दिमाग से इस कार्यक्रम में भाग लेने और प्रशिक्षण के माध्यम से नई सीख का स्वागत करने की सलाह दी। डॉ. कविता ठाकुर ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

रायपुर

अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों से रूबरू हो रहे हैं कॉलेजियंस

Thekoshal . — July 26, 2023

रायपुर :- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोनिक्स अध्ययन शाला में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण स्टार्ट ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

इसरो मुख्यालय, बेंगलुरु, इसरो देहरादून, आईआईआरएस देहरादून द्वारा आयोजित अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रशिक्षण (स्टार्ट) ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फोटोनिक्स द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. कविता ने कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला के प्रति उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उनके ही सहयोग के चलते पं. रविशंकर शुक्ल विवि इसरो स्टार्ट कार्यक्रम का नोडल केंद्र बना एवं नैक के चल रहे दौरे के बावजूद कार्यक्रम के समय पर निष्पादन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. एसके पटेल कुलसचिव का भरपूर सहयोग मिला। डॉ. कविता ठाकुर ने प्रोफेसर एसके पांडे पूर्व कुलपति एवं प्रमुख भौतिकी और खगोल भौतिकी अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विवि का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल डीन रिसर्च अभा आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर का भी स्वागत किया। विभागाध्यक्ष एसओएस इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड फोटोनिक्स अध्ययन शाला डॉ. कविता ठाकुर ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसरो स्टार्ट प्रोग्राम के कार्यक्रम का हिस्सा बनने पर विश्वविद्यालय और विभाग को बधाई दी और 30 दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय दिया। पूर्व कुलपति डॉ. एसके पांडे ने विद्यार्थियों को इसरो की स्थापना और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी घटनाओं को जिक्र करते हुए टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बढ़ने की भूमिका को सामने रखा। उन्होंने प्रतिभागियों को देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयोग करने को कहा और स्टार्ट के लिए पंजीकरण कराने के लिए बधाई दी। उन्होंने कविता ठाकुर को कार्यक्रम की शानदार शुरुआत के लिए बधाई भी दी। अतिथि डॉ. सरिता अग्रवाल, डीन रिसर्च अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद रायपुर ने बताया कि अंतरिक्ष अनुसंधान ने चिकित्सा के क्षेत्र में किस तरह योगदान दिया है। उन्होंने टेलीमेडिसिन, टिशु इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा में प्रगति का उदाहरण दिया। उन्होंने छात्रों को खुले दिमाग से इस कार्यक्रम में भाग लेने और प्रशिक्षण के माध्यम से नई सीख का स्वागत करने की सलाह दी। डॉ. कविता ठाकुर ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

छात्र अंतरिक्ष विज्ञान की बारीकियों से हुए रू-ब-रू

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की इलेक्ट्रानिक्स और फोटोनिक्स अध्ययनशाला में इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता (स्टार्ट) आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। एसओएस इन इलेक्ट्रानिक्स और फोटोनिक्स अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष डा. कविता ठाकुर ने कहा कि बेहतर विज्ञानी बनने के लिए हमें तकनीकों को बड़ी गहराई से समझने की आवश्यकता है। देश अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक से काफी समृद्ध हो रहा है। हम लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। छात्र नए अनुसंधान में आगे आए। इस दौरान उन्होंने 30 दिवसीय चलने वाले कार्यक्रम में छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े कार्यक्रमों, तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रोफेसर डा. एसके पांडेय ने विद्यार्थियों को इसरो के स्थापना और अंतरिक्ष विज्ञान जुड़ी घटनाओं का जिक्र करते हुए, टेक्नोलोजी के क्षेत्र में बढ़ने की भूमिका को सबके सामने रखा। अंत में उन्होंने प्रतिभागियों से देश के वैज्ञानिक विकास में योगदान देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का उपयोग करने को कहा।

अतिथि के रूप में मौजूद एम्स की डीन रिसर्च डा. सरिता अग्रवाल ने बताया कि कैसे अंतरिक्ष अनुसंधान ने चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान दिया है। उन्होंने टेलीमेडिसिन, टिश्यू इंजीनियरिंग और पुनर्योजी चिकित्सा में प्रगति का उदाहरण दिया। छात्रों को खुले दिमाग से इस (स्टार्ट) कार्यक्रमों में भाग लेने और नई सीख का स्वागत करने की सलाह दी।

विश्वविद्यालय में आयोजित इसरो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी जागरूकता (स्टार्ट) आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान छात्र और प्रोफेसर। ● नईदुनिया